अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना– कृषिरत् महिलाएं, गो0 ब0 पन्त कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पन्तनगर द्वारा तीन दिवसीय क्षमता निर्माण प्रशिक्षण का आयोजन

अनुसूचित जाति उपयोजना के अंतर्गत एक क्षमता निर्माण प्रशिक्षण का आयोजन अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना– कृषिरत् महिलाएं, गो0 ब0 पन्त कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पन्तनगर द्वारा आईसीएआर–केंद्रीय महिला कृषि संस्थान भुवनेश्वर के सहयोग से भीमपुरी गाँव, कोटाबाग ब्लाक में आयेजित किया गया।

कार्यक्रम के प्रथम दिवस पर प्रतिभागियों को हर्बल गुलाल एवं धूप निर्माण पर व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया। धूप निर्माण प्रशिक्षण सुन्दरम स्वयं सहायता समूह, जवाहर नगर की सचिव श्रीमती राधा पाण्डे जो की धूप बनाने की विधि में अनुभवी प्रशिक्षक हैं उन्होने गुग्गल, लौंग, गाय का गोबर, लकड़ी का बुरादा, सुखे फूलों आदि के द्वारा धूप निर्माण की सतत् तकनीक एवं कम लागत वाली उत्पादन विधियों से प्रशिक्षण दिया। इसके साथ ही सामुदायिक स्वास्थ अधिकारी, कुमारी पूजा गोस्वामी एवं ए.एन.एम, कुमारी सुमित्रा आर्या द्वारा स्वास्थ्य एवं स्वच्छता विषय पर व्याख्यान दिया। जिसमें ग्रामीणों को स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई।

द्वितीय दिवस पर मशरूम उत्पादन से संबंधित प्रशिक्षण आयोजित किया गया। इस सत्र में डॉ0 एस0के0मिश्रा, प्राध्यापक, गो0 ब0 पन्त कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पन्तनगर द्वारा मशरूम की वैज्ञानिक खेती, आवश्यक संसाधन, उत्पादन प्रक्रिया एवं विपणन पर प्रशिक्षण दिया। साथ ही नैनीताल डिस्ट्रिक्ट को–आपरेटिव बैक लि0 के शाखा प्रबंधक श्री राहुल कुमार द्वारा ग्रामीण महिलाओं एवं उद्यमियों के लिए संचालित विभिन्न योजनाओं पर व्याख्यान दिया गया, जिससे प्रतिभागियों को स्वरोजगार एवं वित्तीय सहायता के अवसरों के बारे में जानकारी प्राप्त हुई।

कार्यक्रम के अंतिम दिवस पर डॉ0 मनीषा गहलौत, प्राध्यापक, गो0 ब0 पन्त कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पन्तनगर द्वारा प्राकृतिक रंगाई का प्रशिक्षण दिया गया। जिसमें प्रतिभागियों को प्राकृतिक स्रोतों से रंग तैयार करने तथा वस्त्रों पर उनके प्रयोग की तकनीक सिखाई गई। प्रतिभागी 30 महिलाओं को अंतिम दिवस पर आई0सी0ए0आर0 सीवा से प्राप्त कृषि कार्य हेतु आवश्यक सामग्रियाँ जैसे बाल्टी, खुर्पी, दरांती, फावड़ा, स्प्रेयर पम्प, पाइप, क्रेट आदि भी वितरित किए गए। जिसका उद्देश्य अनुसूचित जाति वर्ग की कृषक महिलाओं के लिए आजिविका के अवसरों में वृद्धि करना और उनका कौशल विकास करना था।

इस तीन दिवसीय क्षमता निर्माण प्रशिक्षण का आयोजन डॉ0 मनीषा गहलौत, इकाई समन्वयक, डॉ0 अनिल कुमार, वैज्ञानिक, अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना–कृषिरत् महिलाएं एवं उनकी शोध टीम डॉ0 बीनू सिंह, डॉ0 कल्पलता पंत तथा ग्राम प्रधान श्रीमती वर्षा चन्याल के सहयोग से किया गया। कार्यक्रम के समापन पर प्रतिभागियों ने इस प्रशिक्षण को अन्यंत उपयोगी बताते हुए भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जाने की अपेक्षा व्यक्त की।

पंचायत सभागार

पंचायत भवन

पंचायत सभागार

पंचायत भवन